



# अमेरिकी सीनेटर मार्को रुबियो ने की पीएम मोदी की सराहना

**भारत हमारा करीबी साझेदार, ट्रंप जल्द कर सकते हैं दौरा**

वाशिंगटन

अमेरिका के वरिष्ठ सीनेटर मार्को रुबियो ने भारत को एक तेजी से उभरती वैश्विक शक्ति बताते हुए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व की खुलकर सराहना की है। व्हाइट हाउस में एक विशेष साक्षात्कार में रुबियो ने कहा कि अमेरिका भारत को अपना एक करीबी साझेदार और महत्वपूर्ण सहयोगी मानता है। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि प्रधानमंत्री मोदी के

सक्षम नेतृत्व में भारत ने आर्थिक क्षेत्र में उल्लेखनीय प्रगति की है और अब वैश्विक स्तर पर लिए जाने वाले अहम निर्णयों में उसकी भूमिका लगातार मजबूत हो रही है। रुबियो ने स्पष्ट शब्दों में कहा, हम प्रधानमंत्री मोदी और उनके काम के बड़े प्रशंसक हैं।

मार्को रुबियो ने भारतीय-अमेरिकी समुदाय की भी दिल खोलकर सराहना करते हुए कहा कि इस समुदाय ने अमेरिका के विकास में अहम योगदान दिया है और दोनों देशों के बीच संबंधों को मजबूत बनाने में एक महत्वपूर्ण सेतु का काम किया है। उन्होंने कहा कि दुनिया के सबसे बड़े लोकतंत्र भारत और सबसे

पुराने लोकतंत्र अमेरिका के बीच कई मुद्दा मूल्य और हित हैं, जिनके आधार पर भविष्य में और भी व्यापक सहयोग संभव है। रुबियो के ये बयान ऐसे समय आए हैं जब भारत-अमेरिका के बीच व्यापार, प्रौद्योगिकी, रक्षा और रणनीतिक सहयोग लगातार नई ऊंचाइयों की ओर बढ़ रहे हैं, जिससे वैश्विक पटल पर दोनों देशों की साझेदारी का महत्व और भी बढ़ गया है।

मार्को रुबियो ने भारत-अमेरिका संबंधों को पहले से कहीं अधिक मजबूत बताते हुए कहा कि प्रधानमंत्री मोदी और अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के बीच बेहद घनिष्ठ संबंध हैं, जो दोनों देशों के रणनीतिक रिश्तों को एक नई दिशा दे रहे हैं। उन्होंने हाल ही में जी-7 शिखर सम्मेलन के दौरान दोनों नेताओं की मुलाकात को अत्यंत सकारात्मक बताया, जिससे दोनों देशों के बीच सहयोग के नए रास्ते खुले हैं। रुबियो ने यह भी जानकारी दी कि दोनों देशों के बीच एक महत्वपूर्ण व्यापार समझौते को अंतिम रूप देने की दिशा में तेजी से काम चल रहा है। उनके अनुसार, यह समझौता अब अंतिम चरण में पहुंच चुका है और जल्द ही इसकी आधिकारिक घोषणा हो सकती है, जिससे दोनों देशों के व्यापारिक संबंधों को और बढ़ावा मिलेगा। अमेरिकी सीनेटर ने यह भी संकेत दिया कि राष्ट्रपति ट्रंप अगले वर्ष की शुरुआत में भारत की यात्रा कर सकते

हैं। उन्होंने बताया कि इस बहुप्रतीक्षित यात्रा की तैयारियां जारी हैं और उनका मानना है कि इससे दोनों देशों के बीच रणनीतिक साझेदारी को और भी अधिक मजबूती मिलेगी। रुबियो ने उल्लेख किया कि भारत और अमेरिका रक्षा, ऊर्जा, खनिज, आपूर्ति श्रृंखला, समुद्री सुरक्षा तथा इंडो-पैसिफिक क्षेत्र में सहयोग जैसे कई अहम क्षेत्रों में मिलकर काम कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि अमेरिका भारत की बढ़ती ऊर्जा जरूरतों को पूरा करने में भी बड़ी भूमिका निभाना चाहता है और दोनों देशों के बीच क्वाड सहयोग भी भविष्य में और आगे बढ़ेगा, जिससे क्षेत्रीय स्थिरता और सुरक्षा सुनिश्चित हो सकेगी।

## न्यूज़ ब्रीफ

दुनिया के कुछ देशों में आज भी नहीं चल रहा है वर्ष 2026



लंदन। आपको यह जानकर आश्चर्य होगा कि दुनिया के कुछ देशों में आज भी वर्ष 2026 नहीं चल रहा है। कहीं समय की गणना ग्रेगोरियन कैलेंडर से कई वर्ष पीछे है, तो कहीं यह उससे दशकों आगे निकल चुका है। इसकी वजह अलग-अलग सभ्यताओं, धर्मों और ऐतिहासिक परंपराओं पर आधारित कैलेंडर प्रणालियां हैं, जो आज भी कई देशों की पहचान बनी हुई हैं। अफ्रीका का देश इथियोपिया इसका सबसे चर्चित उदाहरण है। यहां प्रचलित इथियोपियाई कैलेंडर ग्रेगोरियन कैलेंडर से लगभग सात से आठ वर्ष पीछे चलता है। जून 2026 के दौरान जहां दुनिया का अधिकांश हिस्सा वर्ष 2026 में है, वहीं इथियोपिया में वर्ष 2018 चल रहा है। इस कैलेंडर की एक खास बात यह भी है कि इसमें 13 महीने होते हैं। यहां नया साल सितंबर में मनाया जाता है। इथियोपिया ने अपना नया सहस्राब्दी वर्ष 2007 में मनाया था, जबकि दुनिया के अधिकांश देशों ने वर्ष 2000 में मिलेनियम का स्वागत किया था। यह अंतर ईसा मसीह के जन्म वर्ष की अलग गणना के कारण माना जाता है। वहीं दक्षिण एशिया का देश नेपाल समय की गणना में दुनिया से काफी आगे दिखाई देता है। नेपाल में आधिकारिक रूप से विक्रम संवत् कैलेंडर का उपयोग किया जाता है, जो ग्रेगोरियन कैलेंडर से लगभग 57 वर्ष आगे है। जून 2026 में नेपाल में विक्रम संवत् 2083 चल रहा है।

समुद्र में कोबुदाई मछली ऐसी जो 10 साल बाद कर लेती है लिंग परिवर्तन



लंदन। समुद्र की गहराइयों में कई जीव पाए जाते हैं, जिनकी जीवनशैली और जैविक विशेषताएं वैज्ञानिकों को हैरान करती हैं। जापान के समुद्री रीफ क्षेत्रों में पाई जाने वाली कोबुदाई मछली भी अनोखा जीव है। यह मछली अपने जीवन के शुरुआती सालों में मादा के रूप में रहती है और अंडे देती है, लेकिन उम्र बढ़ने के साथ इसमें ऐसा जैविक परिवर्तन होता है कि यह नर में बदल जाती है। यही विशेषता इसे समुद्री जीवों की दुनिया में खास बनाती है। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक वैज्ञानिक इस प्रक्रिया को 'सीक्वेंशियल हर्मफ्रोडिटिज्म' कहते हैं। इस जैविक व्यवस्था के तहत कोई जीव अपने जीवनकाल में लिंग परिवर्तन कर सकता है। कोबुदाई मछली आमतौर पर करीब 10 साल तक मादा रहती है और इस दौरान प्रजनन के लिए अंडे देती है। इसके बाद उसके शरीर में हार्मोनल और शारीरिक बदलाव शुरू होते हैं, जिनके परिणामस्वरूप वह नर में परिवर्तित हो जाती है। लिंग परिवर्तन के दौरान मछली के शरीर में कई स्पष्ट बदलाव दिखाई देते हैं। उसका सिर पहले की तुलना में बड़ा और भारी हो जाता है, जबड़े मजबूत बन जाते हैं और शरीर का रंग भी गहरा होने लगता है। रिपोर्ट के मुताबिक इन परिवर्तनों के बाद वह ज्यादा आक्रामक स्वभाव की हो जाती है और समुद्र में प्रमुख भूमिका निभाने लगती है। नर बनने के बाद यह अन्य मादाओं के साथ प्रजनन करती है और अपने क्षेत्र और समूह की रक्षा भी करती है। विशेषज्ञों के मुताबिक प्रकृति ने इस व्यवस्था को प्रजनन की सफलता बढ़ाने के लिए विकसित किया है।

बांग्लादेश का मोंगला पोर्ट भी लगा बीजिंग के हाथ, चीन ने कर दी भारत की तीन ओर से घेराबंदी

बीजिंग। बांग्लादेशी प्रधानमंत्री तारिक रहमान की हालिया चीन यात्रा भारत के लिए बड़ा रणनीतिक झटका साबित हुई है। बीजिंग में चीनी राष्ट्रपति शी जिनपिंग के साथ मुलाकात के दौरान, रहमान सरकार ने मोंगला पोर्ट के पास आर्थिक क्षेत्र विकसित करने के लिए समझौता किया है। यह समझौता भारत की मदद से प्रस्तावित एक पूर्व परियोजना की जगह लेगा, इस बांग्लादेश की पिछली मोहम्मद युनुस सरकार ने रद्द किया था। इस नए करार के साथ, बांग्लादेश का दूसरा सबसे बड़ा बंदरगाह मोंगला अब चीन के नियंत्रण में आ गया है, जिससे भारत के हाथ से एक अहम रणनीतिक क्षेत्र निकल गया है। पहले इस क्षेत्र के लिए जमीन भारत के लिए ही आरक्षित की थी, लेकिन अब चीन की सरकारी कंपनी को इसका विकास सौंपा गया है। मोंगला पोर्ट पर चीन की पहुंच बंगाल की खाड़ी और व्यापक हिंद महासागर क्षेत्र में उसकी रणनीतिक मौजूदगी को महत्वपूर्ण रूप से बढ़ाएगी। यह बीजिंग की बेल्ट एंड रोड इनिशिएटिव का भी हिस्सा है, जिसके तहत चीन पाकिस्तान में ग्वादर और श्रीलंका में हंबनटोटा जैसे बंदरगाहों में पहले ही भारी निवेश कर चुका है। इस घटनाक्रम के साथ, चीन ने भारत को करीब तीन तरफ से घेर लिया है। पश्चिम में पाकिस्तान का ग्वादर पोर्ट, दक्षिण में श्रीलंका का हंबनटोटा और अब पूर्व में बांग्लादेश का मोंगला पोर्ट, हिंद महासागर में चीन की उपस्थिति को मजबूत करते हुए भारत के लिए बड़ी भू-राजनीतिक चुनौती पैदा करते हैं।

# अमेरिका ने ईरान पर लगातार दूसरे दिन बरसाए बम बहरीन और कुवैत में हवाई हमले के सायरन बजे

तेहरान/वाशिंगटन/बेरुत

चंद्र दिनों की शांति के बाद हेर्मुज जलडमरूमध्य के पास एक कर्माक्षयल जहाज पर ड्रोन हमले के बाद अमेरिका ने लगातार दूसरे दिन ईरान पर बमबारी की है। अमेरिका ने सिरिक शहर, बंदर-ए-लौघे और केथम द्वीप को निशाना बनाया है। उधर, बहरीन और कुवैत में हवाई हमले के सायरन बज रहे हैं। कुवैत की सेना ने कहा है कि दुश्मन के मिसाइल और ड्रोन हमलों का जवाब दिया जा रहा है। उधर, लेबनान में शांति की उम्मीदें धराशायी हो गई हैं।

लेबनान सरकार के साथ दुश्मनी खत्म करने के लिए एक फ्रेमवर्क समझौते पर हस्ताक्षर करने के एक दिन बाद ही इजराइल ने दक्षिणी लेबनान पर बमबारी की है। इस बमबारी में कम से कम एक व्यक्ति की मौत हो गई है। लेबनान के राष्ट्रपति जोसेफ आउन ने अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप से इजराइल के उल्लंघनों को रोकने में मदद मांगी है। उधर, ईरान समर्थित आतंकवादी समूह हिजबुल्लाह ने इजराइल के साथ हुए समझौते को यह कहते हुए खारिज कर दिया है कि यह संप्रभुता का आत्मसमर्पण है।

अमेरिकी सेना ने कहा है कि उसने ईरान के 10 सैन्य ठिकानों पर हमले किए। अमेरिकी मध्य कमान (सेंटकाम) ने कहा कि अमेरिकी लड़ाकू विमानों ने हेर्मुज जलडमरूमध्य के अंदर और उसके आस-पास कई जगहों पर हमले किए हैं। सेंटकाम ने सोशल मीडिया पर हमले का एक धुंधला वीडियो भी शेयर किया है। ईरान के इस्लामिक रिवोल्यूशनरी गार्ड कार्पूस (आईआरजीसी) ने पुष्टि की है कि अमेरिका ने हमलों के अपने ताजा दौर में देश के पांच तटीय इलाकों पर बमबारी की।

आईआरजीसी का कहना है कि दुश्मन की किसी भी आक्रामकता का करारा जवाब दिया जाएगा। आईआरजीसी ने कहा कि अमेरिका-ईरान के बीच हुए अंतरिम समझौते के तहत हेर्मुज जलडमरूमध्य में



आवागमन को नियंत्रित करने की व्यवस्था तेहरान के पास है। अमेरिका इसका उल्लंघन कर रहा है। और अब से नियंत्रण का उल्लंघन करने वाले जहाजों से पहले की तुलना में ज्यादा सख्ती से निपटा जाएगा।

राष्ट्रपति ट्रंप का कहना है कि यह हमले इसलिए किए गए क्योंकि ईरान ने ही युद्धविराम का उल्लंघन किया है। उन्होंने कहा कि अमेरिकी विमानों ने ईरान के मिसाइल और ड्रोन स्टोरेज साइट्स के साथ-साथ तटीय रडार सुविधाओं को भी निशाना बनाया। सेंटकाम का दावा है कि अमेरिकी सेना ने पनामा के झंडे वाले टैंकर पर ईरान के रात भर चले ड्रोन हमलों के जवाब में ये हमले किए। इस टैंकर में 20 लाख बैरल से ज्यादा तेल लदा हुआ था।

ट्रंप ने चेतावनी दी है कि ऐसा समय भी आ सकता है जब अमेरिका मजबूर होकर पूरी ताकत से सैन्य हमला करे। उन्होंने कहा कि अगर ऐसा हुआ तो इस्लामिक रिपब्लिक ऑफ ईरान का अस्तित्व खत्म हो जाएगा। उधर, अमेरिका के हमलों के जवाब में ईरान ने बहरीन और कुवैत में अमेरिकी सेना को निशाना बनाया है। ईरान की इरना और तस्मीम समाचार एजेंसियों ने आईआरजीसी का एक बयान जारी किया है। इसमें कुवैत और बहरीन पर हुए हमलों की पुष्टि की गई है।

आईआरजीसी ने कहा कि उसकी नौसेना और वायुसेना ने कुवैत में अमेरिकी अली अल सलेम एयरबेस और बहरीन की राजधानी मनामा में पोर्ट सलमान पर मौजूद अमेरिकी पांचवें नौसैनिक बेड़े पर बैलिस्टिक मिसाइलों और ड्रोन दागे हैं। बयान में कहा गया है कि ये हमले ईरान के पांच तटीय इलाकों पर अमेरिकी बमबारी के जवाब में किए गए। ओमान ने बहरीन पर हुए कथित ईरानी ड्रोन हमले की निंदा की है

सनद रहे, फरवरी के आखिर में शुरू यह लड़ाई अब तक नहीं थम सकी है। राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने 28 फरवरी को ईरान के खिलाफ बड़े सैन्य अभियान की घोषणा की। इसके बाद अमेरिका और इजराइल ने मिलकर ईरान के सैन्य, सरकारी और बुनियादी ढांचों के ठिकानों पर जबरदस्त हमले किए। इससे मध्य पूर्व में संकट बढ़ गया। शांति के तमाम प्रयास हुए। इस कड़ी में अमेरिका और ईरान के प्रतिनिधिमंडल इस सप्ताह में स्विट्जरलैंड के बर्नोस्टाक रिजार्ट पहुंचे और युद्ध खत्म करने वाले समझौते के लिए बातचीत शुरू की। इस बातचीत का आधार दोनों देशों के बीच पिछले हफ्ते हस्ताक्षरित सहमति-पत्र रहा। यह सिलसिला और आगे बढ़ पाता कि लड़ाई फिर शुरू हो गई है।

पाकिस्तान: आर्थिक संकट गहराया, कर्ज 81.93 ट्रिलियन रुपए के रिकार्ड स्तर पर



कराची। पाकिस्तान एक अभूतपूर्व आर्थिक संकट की गिरफ्त में आ चुका है, जहां देश का कुल कर्ज 81.93 ट्रिलियन पाकिस्तानी रुपए के रिकार्ड स्तर पर पहुंचा है। यह स्थिति अप्रैल महीने में लिए गए भारी-भरकम कर्ज के कारण और गंभीर हुई है। केंद्र का कर्ज सिर्फ अप्रैल में 1.4 ट्रिलियन रुपए बढ़कर चौकाने वाले आंकड़े तक पहुंच गया है, जो बढती वित्तीय चुनौतियों और सरकारी खर्चों को पूरा करने के लिए देश की कर्ज पर लगातार निर्भरता को स्पष्ट रूप से दिखाता है। रिपोर्ट के अनुसार, कर्ज के नवीनतम आंकड़े पाकिस्तान के सरकारी वित्त में गहरी संरचनात्मक कमजोरियों की पुष्टि करते हैं। चालू वित्त वर्ष के पहले 10 महीनों में केंद्र का कर्ज 4 ट्रिलियन रुपए से अधिक बढ़ा है। इस कुल वृद्धि में से, घरेलू कर्ज 3.6 ट्रिलियन रुपए से ज्यादा था, जबकि विदेशी कर्ज में 400 बिलियन रुपए से अधिक की वृद्धि दर्ज हुई है। अप्रैल में हुई बड़ी बढ़ोतरी बजट घाटे को पूरा करने और पिछली कर्ज जिम्मेदारियों को निभाने के लिए सरकार की भारी उधारी पर निरंतर निर्भरता को रेखांकित करती है। रिपोर्ट बताती है कि पिछली सरकारों ने भी मौजूदा खर्चों को पूरा करने और पुराने कर्ज को चुकाने के लिए कर्ज पर बहुत अधिक निर्भरता दिखाई है। इससे ऐसा दुष्चक्र बन गया है, जिससे बाहर निकलना अब बेहद मुश्किल प्रतीत होता है।

# पाकिस्तान के कराची में रेंजर्स मुख्यालय पर हमले में पांच आतंकी ढेर, तीन जवानों की मौत

इस्लामाबाद

पाकिस्तान के सिंध प्रांत की राजधानी कराची में शनिवार रात सिंध रेंजर्स मुख्यालय पर हुए आतंकी हमले में तीन जवानों की जान चली गई। इस दौरान सुरक्षा बलों की गोलीबारी में पांच आतंकवादी मारे गए। एक हमलावर को घायलवस्था में जीवित पकड़ लिया गया। पाकिस्तानी सेना की मीडिया एवं जनसंपर्क शाखा आईएसपीआर ने इसकी पुष्टि की।

आईएसपीआर की विज्ञप्ति में कहा गया कि सुरक्षा बलों ने सिंध रेंजर्स मुख्यालय पर आतंकी हमले को विफल कर दिया। यह हमला प्रतिबंधित संगठन तहरीक-ए-तालिबान पाकिस्तान (टीटीपी) से जुड़े आतंकी संगठन जमात-उल-अहरार ने किया। आतंकवादियों ने शनिवार रात लगभग 8:30 बजे कराची में स्थित आबादी वाले गुलितस्तान-ए-जोहर इलाके में घनी सिंध रेंजर्स के स्थानीय मुख्यालय पर हमला किया।

सिंध के पुलिस महानिरीक्षक जावेद आलम



आधो ने देररात हमले की पुष्टि करते हुए कहा कि इस घटना में रेंजर्स के तीन जवान शहीद हो गए। प्रांतीय पुलिस प्रमुख ने कहा कि हमलावरों ने सबसे पहले अपनी गाड़ी परिसर के मुख्य गेट से टकरा दी। उन्होंने बताया कि स्पेशल सिक्वोरिटी यूनिट के कमांडो, एंटी-टेरिस्ट फोर्स और रेंजर्स के जवानों ने तत्परता से मोर्चा संभाला।

इस हमले की जिम्मेदारी तहरीक-ए-तालिबान पाकिस्तान से संबद्ध जमात-उल-अहरार ने ली है। यह गुट हाल के वर्षों में मुख्य रूप से खैबर पख्तूनख्वा में सक्रिय रहा है और आम नागरिकों, सुरक्षाकर्मियों और सरकारी अधिकारियों को निशाना बनाता रहा है।

एक पुलिस अधिकारी ने पहचान न उजागर करने की शर्त पर बताया कि इस हमले में कम से कम चार रेंजर्स जवान शहीद हुए हैं। अधिकारी ने कहा, पांच आतंकवादी भी मारे गए हैं और छठे आतंकवादी का शव भी मिल गया है। जिस आतंकी का शव मिला है, वह आत्मघाती हमलावर

है। एक अन्य सूत्र ने दावा किया कि एक आतंकवादी को जिंदा और एक आतंकवादी को घायल हालत में भी पकड़ा गया है।

कराची में इससे पहले बड़ा आतंकवादी हमला 6 अक्टूबर 2024 को हवाई अड्डे के पास हुआ था। इसमें एक व्यक्ति की मौत हो गई थी और विदेशी नागरिकों सहित 11 अन्य घायल हो गए थे। इस हमले की जिम्मेदारी प्रतिबंधित बलोच लिबरेशन आर्मी ने ली थी। फरवरी 2023 में आतंकवादियों ने शाहराह-ए-फैसल पर कराची पुलिस कार्यालय पर हमला कर चार लोगों को मार डाला था। इस दौरान प्रतिबंधित तहरीक-ए-तालिबान पाकिस्तान से जुड़े तीन आतंकवादी भी मारे गए थे।

पाकिस्तान इंस्टीट्यूट फार कान्फ्लिक्ट एंड सिक्वोरिटी स्टडीज की मासिक सुरक्षा रिपोर्ट के अनुसार, लगातार दो महीनों तक सुधार के बाद मई में पाकिस्तान की सुरक्षा स्थिति तेजी से बिगड़ी और इसी दौरान यह ताजा हमला हुआ।

# फ्रांसीसी महिला और उसके 5 बच्चों ने बताई आपबीती



इस्लामाबाद

पाकिस्तान के खैबर पख्तूनख्वा प्रांत के बारा नामक जगह से एक मार्मिक और चौंकाने वाला मामला सामने आया है, जहाँ पाकिस्तान पुलिस ने एक 54 वर्षीय फ्रांसीसी महिला सिल्वी यास्मीना को उसके पति के चंगुल से 14 साल की भयावह कैद के बाद छुड़ाया है। सिल्वी के पाँच बच्चे हैं, जिनमें से तीन बच्चे कैद के दौरान ही पैदा हुए और वे सभी पिछले 12 सालों से गंदगी भरे और नारकीय जीवन में जीने को मजबूर थे। यह कहानी किसी बालीवुड फिल्म की तरह है, जिसमें प्यार के चक्कर में पाकिस्तान गई एक महिला को गुलामी और अमानवीय यातनाओं का सामना करना पड़ता है।

पाकिस्तानी पति ने 14 साल से कैद किया हुआ था

गहरे चोटों के निशान दिखाई दे रहे थे, जो उनकी सालों की कैद और अमानवीय यातनाओं की गवाही दे रहे थे। यह एक ऐसी क्रूरता थी, जिसकी कल्पना भी करना मुश्किल है। पुलिस द्वारा कैद से आजाद कराई गई सिल्वी ने अपनी पूरी जिंदगी की कहानी बताई कि कैसे वह कभी आस्ट्रेलिया में एक आधुनिक और खुशहाल जिंदगी जीती थी, लेकिन पाकिस्तान आने के बाद उसकी पूरी जिंदगी नरक में बदल गई। सिल्वी के अनुसार, वह आस्ट्रेलिया में अपनी पढ़ाई पूरी कर रही थी और साथ में नौकरी भी करती थी, जहाँ वह पूरी तरह से स्वतंत्र जीवन जी रही थी। इसी दौरान उसे पाकिस्तानी मूल के एक शख्स से प्यार हो गया और 2003 में उसने उससे शादी कर ली। इसके बाद, वे 2014 तक आस्ट्रेलिया में ही रहे, जहाँ उनके दो बच्चे हुए, जो किसी आम बच्चों की तरह स्कूल जाते थे और सामान्य जीवन व्यतीत कर रहे थे। सिल्वी के मुताबिक, वर्ष 2014 में वह अपने पति के साथ पाकिस्तान रहने के लिए आई, इस उम्मीद में कि यहाँ सब कुछ बेहतर होगा।

रिपोर्ट के अनुसार, सिल्वी का सबसे बड़ा बेटा, किसी तरह कैद से निकलने में कामयाब रहा और उसने पुलिस को अपनी मां और भाई-बहनों की दुर्दशा के बारे में जानकारी दी। इस सूचना के आधार पर, पुलिस ने तत्काल छापेमारी की और 54 वर्षीय सिल्वी यास्मीना और उसके पांचों बच्चों को वहाँ से सुरक्षित निकाला। पुलिस ने सिल्वी के पति को भी गिरफ्तार कर लिया। स्थानीय मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, सिल्वी और उसके बच्चों के शरीर पर

# पूर्वांचल में बारिश का कहर, असम में बहा 300 मीटर लंबा पुल

नईदुनिया ब्यूरो, गुवाहाटी: देश के पूर्वांचल राज्यों में लगातार हो रही भारी वर्षा के कारण जनजीवन बुरी तरह प्रभावित हो गया है। असम, अरुणाचल प्रदेश और सिक्किम में बाढ़ तथा भूस्खलन जैसी स्थिति बनी हुई है। असम के डेमाजो जिले में केमी नदी में आई तेज बाढ़ के कारण लगभग 300 मीटर लंबा लोहे का पुल बह गया, जिससे केमी और पुराना जेलोम क्षेत्र का जोनाई सदर से सड़क संपर्क पूरी तरह टूट गया। सिक्किम के जोंगू क्षेत्र में फी खोला नदी पर बना बेली पुल भी तेज बहाव में बह गया, जबकि अरुणाचल प्रदेश में भारी वर्षा और भूस्खलन की घटनाओं में तीन लोगों की मृत्यु हो गई।

अरुणाचल प्रदेश के ईस्ट सियांग और लेपाराडा जिलों में बाढ़ जैसे हालात बने हुए हैं। कई स्थानों पर राहत और बचाव दल रस्तियों की सहायता से लोगों को सुरक्षित स्थानों तक पहुंचा रहे हैं। भूस्खलन के कारण अनेक मार्ग बाधित हो गए हैं और कई क्षेत्रों

में आवागमन प्रभावित हुआ है। इस बीच देश के अनेक हिस्सों में मौसम का अलग-अलग स्वरूप देखने को मिल रहा है। उत्तर प्रदेश, राजस्थान, हरियाणा, दिल्ली, बिहार, मध्यप्रदेश और गुजरात के कई क्षेत्रों में तेज गर्मी बनी हुई है। राजस्थान के फलोदी में सर्वाधिक 43.8 डिग्री सेल्सियस तापमान दर्ज किया गया।

उत्तर प्रदेश के आगरा और प्रयागराज, हरियाणा के भिवानी, मध्यप्रदेश के उमरिया, दिल्ली तथा गुजरात के राजकोट में भी तेज बहाव में बह गया, जबकि अरुणाचल प्रदेश में भारी वर्षा और भूस्खलन की घटनाओं में तीन लोगों की मृत्यु हो गई। अरुणाचल प्रदेश के ईस्ट सियांग और लेपाराडा जिलों में बाढ़ जैसे हालात बने हुए हैं। कई स्थानों पर राहत और बचाव दल रस्तियों की सहायता से लोगों को सुरक्षित स्थानों तक पहुंचा रहे हैं। भूस्खलन के कारण अनेक मार्ग बाधित हो गए हैं और कई क्षेत्रों

अगले दो दिनों के लिए मौसम विभाग ने असम, मेघालय, पश्चिम बंगाल, सिक्किम, ओडिशा, झारखंड, तेलंगाना, गोवा, कर्नाटक, छत्तीसगढ़, केरल, तमिलनाडु और अरुणाचल प्रदेश सहित अनेक राज्यों में भारी वर्षा की चेतावनी जारी की है। बिहार में तेज हवा चलने तथा मध्यप्रदेश, पूर्वी राजस्थान और अन्य क्षेत्रों में भी तेज हवाओं के साथ वर्षा होने की संभावना बताई गई है। वहीं पूर्वी उत्तर प्रदेश के कुछ भागों में लू की स्थिति बने रहने का अनुमान है। राजस्थान के अनेक जिलों में भी वर्षा और तेज हवाओं का अनुमान है। बिहार में अगले कुछ दिनों तक वर्षा और तेज हवा चलने की संभावना व्यक्त की गई है। लगातार हो रही वर्षा के कारण पूर्वोत्तर के कई क्षेत्रों में नदी-नाले उफान पर हैं और राहत एवं बचाव दल लगातार प्रभावित क्षेत्रों में सहायता कार्य में जुटे हुए हैं। मौसम विभाग द्वारा जारी परामर्श का पालन करने की अपील की है।